



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25.06.2020	02	02-04

रिसर्च में नवीनतम तकनीकों का अधिक प्रयोग करें युवा वैज्ञानिकः प्रो. केपी सिंह

एचएयू की तरफ से इंडो-यूएस-अफगानिस्तान ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित

भास्कर न्यूज | हिसार

देश के विकास व नीति निर्धारण में रिसर्च डेटा की भूमिका अहम होती है। युवाओं को रिसर्च में नई तकनीकों का इस्तेमाल करना चाहिए। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने ऑनलाइन आयोजित इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। प्रशिक्षण का आयोजन यूनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डिवेलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एप्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया गया। प्रशिक्षण में अमेरिका, भारत व अफगानिस्तान के वैज्ञानिक ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए।

कुलपति ने युवा वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे रिसर्च में रिसर्च की बेसिक व नवीनतम तकनीकों का अधिक से अधिक प्रयोग करें, ताकि रिसर्च की वैधता सुनिश्चित की जा सके, जो किसी भी देश के नीति-निर्धारण में काम आ सके। उन्होंने रिसर्च की तकनीकों का रिसर्च में प्रयोग व उनके आंकड़ों की विवेचना के महत्व के बारे में भी बताया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में इंडो-यूएस-अफगानिस्तान ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को ऑनलाइन संबोधित करते कुलपति प्रो. के.पी. सिंह।

कई देशों के 71 प्रतिभागी कार्यक्रम में हुए शामिल

ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से नूर सिद्दकी, जेसिका अगान्यू, अफगानिस्तान के काबूल प्रांत से दस प्रतिभागी, नांगरहार प्रांत से सात, बालख प्रांत से बाईस, हैरात प्रांत से पंद्रह और कंधार प्रांत से बीस सहित कुल 71 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने प्रशिक्षण की महत्ता के बारे में बताते हुए भविष्य में ऐसे आयोजन करने की इच्छा जताइ। उन्होंने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन, डेटा निर्धारण के महत्व के बारे में बताते हुए कुछ मूल सांख्यिकी तकनीकों का कृषि विकास



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25.06.2020	02	02-03

‘ई-लाइब्रेरी से ई-संसाधनों की खोज’ विषय पर हुआ वेबिनार

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नेहरू लाइब्रेरी के साथ रेफ्रिड प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली के सहयोग से ई-लाइब्रेरी से ई-संसाधनों की खोज विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। विवि के पुस्तकालयाध्यक्ष प्रोफेसर बलवान सिंह ने बताया कि वेबिनार संपूर्ण विश्वविद्यालय परिवार के लिए बहुत ही उपयोगी होगा, क्योंकि इस वेबिनार में हिस्सा लेने के बाद संपूर्ण विश्वविद्यालय परिवार और विद्यार्थी ई-लाइब्रेरी के माध्यम से जागरूक हो सकेंगे। इसके अलावा कोविड-19 महामारी के चलते कृषि विभाग के क्षेत्र में लाइब्रेरी द्वारा खरीदे गए संसाधन एवं बड़ी संख्या में अन्य ओपन एक्सेस संसाधन प्रयोग कर सकेंगे। साथ ही उपयोगकर्ता घर बैठकर ही पुस्तकालय के ई-संसाधनों का उपयोग कर सकते हैं। इस दौरान उन्होंने ई-संसाधन: अतीत, वर्तमान और भविष्य पर अपनी प्रस्तुति के माध्यम से ई-संसाधनों की विस्तृत शृंखला प्रस्तुत की। रेफ्रिड टीम ने विश्वविद्यालय के शैक्षणिक उपयोगकर्ता को रिमोट लॉगिन सुविधा के साथ रेफ्रिड प्लेटफार्म का उपयोग और बड़ी संख्या में संसाधन का वर्णन किया। प्रो. बलवान सिंह ने बताया वेबिनार के दौरान प्रतिभागियों द्वारा इससे संबंधित कई प्रश्न पूछे। वेबिनार की आयोजक सचिव डॉ. सीमा परमार ने पूरे कार्यक्रम की मेजबानी की और डॉ. राजेंद्र कुमार सहायक लाइब्रेरियन ने धन्यवाद प्रस्तुत किया। वेबिनार का आयोजन एचएयू के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह के दिशा-निर्देश से आयोजित किया गया। जिसमें 300 से अधिक संख्या में छात्र पंजीकृत हुए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

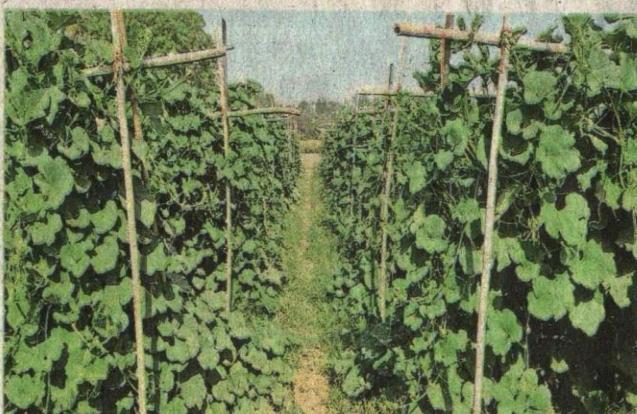
समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25.06.2020	05	01-05

किसानों को नई किस्मों के प्रति वैज्ञानिक एवं अधिकारी द्वारा बढ़ावा दी जाएगी। इसके फल सुधार्य होने के कारण खेतों में अधिक फल उत्पादित होने वाला है। इसके फल सुधार्य होने के कारण खेतों में अधिक फल उत्पादित होने वाला है।

महबूब अली | हिसार

एचएयू हिसार ने धीया की कई आधुनिक किस्म पैदा की है। एचएयू के वैज्ञानिकों का कहना है कि धीया की आधुनिक किस्म की खेती वैज्ञानिक तरीके से कर किसान कम जमीन में भी अधिक पैदावार कर सकता है। एचएयू के अधिकारी किसानों को भी नई किस्म को डागने के प्रति जागरूक कर रहे हैं।

लौकी की प्रजाति रुड़ी होती है। इसके फल सुधार्य होने के कारण चिकित्सक रोगियों को लौकी की सब्जी अधिक से अधिक खाने की सलाह देते हैं। लौकी के हरे फलों से सब्जी, रायता, खीर, कोफे, अचार एवं मिठायां बनाई जाती हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि किसान अधिक आमदारी के लिए धीया की आधुनिक वैज्ञानिक सर्वय क्रियाएं अपनाएं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के धीया विशेषज्ञ डॉ. धर्मपीर सिंह दूहन व सब्जी विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. एके भाटिया ने किसानों से धीया के अधिक उत्पादन के लिए धीया की उत्तर किस्मों व वैज्ञानिक सर्वय क्रियाओं को अपनाने की सलाह दी है। एचएयू के वैज्ञानिकों ने बताया कि नई विकसित धीया की किस्म से 140 विवर्टल प्रति एकड़ तक पैदावार कर सकेंगे।



उत्तर किस्मों का छुनाव

- **मूल समर प्रोत्तेपिक लौंग :** यह किस्म गर्मी व बरसात दोनों मौसम में उगाने के लिए उपयुक्त है। इसके कच्चे व खाने योग्य हल्के हों फलों की औसत लम्बाई लगभग 30 सेमी. होती है। इसकी औसत पैदावार 100-120 विवर्टल प्रति एकड़ है।
- **मूल समर प्रोत्तेपिक राँड़ :** यह किस्म भी गर्मी व बरसात दोनों मौसम के लिए उपयुक्त है। इसके कच्चे फल 15-18 सेमी. धेरे के गोल व हरे रंग के होते हैं।
- **धीया हिसार 22 :** यह किस्म भी ग्रीष्म व बरसात ऋतु में उगाने के लिए उपयुक्त है। इसके कच्चे व खाने योग्य हल्के हों फलों की औसत लम्बाई लगभग 30 सेमी. होती है। इसकी औसत पैदावार 100-120 विवर्टल प्रति एकड़ है।
- **धीया हिसार 35 :** यह धीया की एक संकर किस्म है। इसके फल बेलनाकार व बेल पर ज्यादा मात्रा में लगते हैं तथा बेलों की बढ़वार अच्छी होती है।

बिजाई का समय

गर्मी की फसल के लिए फरवरी-मार्च तथा बरसात की फसल के लिए जून-जुलाई का समय बिजाई के लिए उपयुक्त है।

बीज की मात्रा

धीया की बिजाई के लिए 1.5 से 2 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ काफी रहता है। बिजाई से पहले बीज को रात भर यानी में भिगो लेना चाहिए, ताकि बीज का अंकुरण अच्छा हो।

सावधानियां

1. सिफारिश किए गए कीटनाशक ही डालें, क्योंकि धीया कुछ अन्य कीटनाशकों से जल सकती है।
2. ओस के समय धूड़ा न करें।
3. खराब व सड़े फल एकत्रित करके मिट्टी में गहरा दबा दें।
4. कीटनाशक के छिड़काव से पहले फल तोड़ लें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	25.06.2020	03	06-08

अमेरिका, अफगानिस्तान के विज्ञानियों को रिसर्च डाटा पर दिया ऑनलाइन प्रशिक्षण

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में बुधवार को इंडो-यूएस-अफगानिस्तान के विज्ञानियों व अफसरों के साथ ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित हुई। प्रशिक्षण का आयोजन युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइंजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया गया। इस दौरान एचएसू के कुलपति ने कहा कि देश के विकास व नीति निर्धारण में रिसर्च डाटा की भूमिका अहम होती है।

इस प्रशिक्षण में अमेरिका, भारत व अफगानिस्तान के विज्ञानी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। कुलपति ने युवा वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे रिसर्च में रिसर्च की बेसिक व नवीनतम तकनीकों का अधिक से अधिक प्रयोग करें ताकि रिसर्च की वैधता सुनिश्चित की जा सके, जो किसी भी देश के नीति-निर्धारण में काम आ सके। उन्होंने रिसर्च की तकनीकियों का रिसर्च में प्रयोग व उनके अंकड़ों की विवेचना के महत्व के बारे में भी विस्तारपूर्वक बताया।

कुलपति बोले -देश के विकास और नीति निर्धारण में रिसर्च डाटा निभा सकते हैं अहम भूमिका



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में ऑनलाइन वेबिनार में भाग लेते प्रतिभागी।

71 प्रतिभागी हुए शामिल
प्रशिक्षण कार्यक्रम में अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से नूर सिद्दकी, जेसिका अगन्यु अफगानिस्तान के काबूल प्रांत से दस प्रतिभागी, नांगरहार प्रांत से सात, बालख प्रांत से बाईस, हैरात प्रांत से पंद्रह और कंधार प्रांत से बीस सहित कुल 71 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। 29 जून को प्रशिक्षण में उन प्रतिभागियों के पोस्ट टेस्ट के आंकलन के आधार पर उन्हें रिसर्च की व्यावहारिक तकनीकों को बताया जाएगा।

भविष्य में भी हो ऐसे आयोजित

अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत ने बताते हुए भविष्य में ऐसे आयोजन करने की इच्छा जताई। उन्होंने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन, डाटा निर्धारण के महत्व के बारे में बताते हुए कुछ मूल सारिख्यकी तकनीकों का कृषि विकास में उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। इसमें अंतरराष्ट्रीय मामलों के संयोजक डा. अनुज राणा, प्रो ओपी श्योराण और डा. विनय कुमार ने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन डाटा एवं सारिख्यकी के बारे में बताया। इस दौरान प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों का प्री-टेस्ट लिया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	25.06.2020	04	04-06

एचएयू में ई-लाइब्रेरी पर वेबिनार, पढ़ाई का रास्ता होगा आसान

जास, हिसार। : एचएयू हिसार की नेहरू लाइब्रेरी के साथ ई-लाइब्रेरी से ई-संसाधनों की खोज विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. केपी सिंह के निर्देशन में आयोजित वेबिनार में 300 से अधिक संकाय व छात्र पंजीकृत हुए। पुस्तकालयाध्यक्ष प्रोफेसर बलवान सिंह ने बताया कि

यह वेबिनार संपूर्ण विश्वविद्यालय परिवार के लिए बहुत ही उपयोगी होगा क्योंकि इस वेबिनार में भाग लेने के बाद विश्वविद्यालय परिवार और विद्यार्थी ई-लाइब्रेरी गेटवे के माध्यम से जागरूक हो सकेंगे। इसके अलावा कोविड-19 महामारी के चलते कृषि विज्ञान के क्षेत्र में लाइब्रेरी द्वारा खरीदे गए संसाधन

एवं बड़ी संख्या में अन्य ओपेन एक्सेस संसाधन प्रयोग कर सकेंगे। साथ ही उपयोगकर्ता घर बैठकर ही पुस्तकालय के ई-संसाधनों का उपयोग कर सकते हैं। इस दौरान उन्होंने ई-संसाधन : अतीत, वर्तमान और भविष्य पर अपनी प्रस्तुति के माध्यम से ई-संसाधनों की विस्तृत श्रंखला प्रस्तुत की।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	25.06.2020	01	01-06

विचार विमर्श

इंडो-यू.एस.-अफगानिस्तान ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित

‘रिसर्च में नवीनतम तकनीकों का अधिक प्रयोग करें युवा वैज्ञानिक’

हिसार, 24 जून (ब्यूरो): देश के विकास व नीति निर्धारण में रिसर्च डाटा की भूमिका अहम होती है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इंडो-यू.एस.-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। प्रशिक्षण का आयोजन यूआईटीटीस्ट एजेंसी फॉर इंटरनैशनल डैवलपमेंट के आधिक सहयोग से कैटलाइंजिंग अफगान एशीज़ून चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया गया। इस प्रशिक्षण में अमेरिका, भारत व अफगानिस्तान के वैज्ञानिक ऑनलाइन कुलपति ने युवा वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे रिसर्च में रिसर्च की बोसिक व नवीनतम तकनीकों का अधिक से अधिक प्रयोग करें ताकि रिसर्च की वैधता सुनिश्चित की जा सके, जो किसी भी देश के नीति-निर्धारण में काम आ सके।

उन्होंने रिसर्च की तकनीकियों का रिसर्च में प्रयोग व उनके आंकड़ों की विवेचना के महत्व के बारे में भी विस्तारपूर्वक बताया। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से नूर सिद्दकवी, जैसिका अगान्धू अफगानिस्तान के कावूल प्रत से दस प्रतिभागी, नांगरहार प्रांत से सात, बालख प्रांत से बाईंस, हैरात प्रांत से पंद्रह और कंधार प्रांत से बीस सहित कुल 71 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए।

कुलपति ने युवा वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे रिसर्च में रिसर्च की बोसिक व नवीनतम तकनीकों का अधिक से अधिक प्रयोग करें ताकि रिसर्च की वैधता सुनिश्चित की जा सके, जो किसी भी देश के नीति-निर्धारण में काम आ सके।

उन्होंने रिसर्च की तकनीकियों का रिसर्च में प्रयोग व उनके आंकड़ों की विवेचना के महत्व के बारे में भी विस्तारपूर्वक बताया। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से नूर सिद्दकवी, जैसिका अगान्धू अफगानिस्तान के कावूल प्रत से दस प्रतिभागी, नांगरहार प्रांत से सात, बालख प्रांत से बाईंस, हैरात प्रांत से पंद्रह और कंधार प्रांत से बीस सहित कुल 71 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए।

रिसर्च डिजाइन, डाटा निर्धारण का बताया महत्व



इंडो-यू.एस.-अफगानिस्तान ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को इंडो-यू.एस.-अफगानिस्तान ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण का बताया महत्व। उन्होंने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन, डाटा निर्धारण के महत के बारे में बताते हुए कुछ मूल सारिंग की तकनीकों का कृषि विकास में उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस दौरान प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों का ग्री-टैस्ट लिया गया और उनके आंकलन के बाद उन्हें उसी अनुरूप अध्ययन कराते हुए पोस्ट टैस्ट के लिए असाइनमेंट दिया गया। अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संघीजक डा. अनुज राणा ने बताया कि इसके बाद 29 जून को दोबारा इसी प्रशिक्षण की अगली कढ़ी में उन प्रतिभागियों के पोस्ट टैस्ट के आंकलन के आधार पर उन्हें रिसर्च की व्यावहारिक तकनीकों को ऑनलाइन माध्यम से बारीकी से समझाया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	25.06.2020	04	07-08

ई-लाइब्रेरी से ई-संसाधनों की खोज विषय पर वैबीनार आयोजित

हिसार, 24 जून (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार की नेहरू लाइब्रेरी के साथ रिफ्रेड प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली के सहयोग से ई-लाइब्रेरी से ई-संसाधनों की खोज विषय पर एक दिवसीय वैबीनार का आयोजन किया गया।

वैबीनार का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर

के.पी.सिंह के दिशा-निर्देश से आयोजित किया गया था, जिसमें 300 से अधिक संकाय व छात्र पंजीकृत हुए।

विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष प्रोफेसर बलवान सिंह ने बताया कि वैबीनार के दौरान प्रतिभागियों द्वारा इससे संबंधित कई प्रश्न पूछे गए और वैबीनार के दौरान ही प्रस्तुतकर्ताओं द्वारा उनके उत्तर दिए गए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	25.06.2020	12	06-08

नवीनतम तकनीक प्रयोग करें

हरिगौनी न्यूज || हिसार

देश के विकास व नीति निर्धारण में रिसर्च डाटा की भूमिका अहम होती है। इसलिए युवा वैज्ञानिक रिसर्च में रिसर्च की बेसिक व नवीनतम तकनीकों का अधिक से अधिक प्रयोग करें ताकि रिसर्च की वैधता सुनिश्चित की जा सके, जो देश के नीति-निर्धारण में काम आ सके।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कही।

■ हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में इंडो-यूएस-अफगानिस्तान ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित

प्रशिक्षण का आयोजन युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया गया। इस प्रशिक्षण में अमेरिका, भारत तथा अफगानिस्तान के वैज्ञानिक ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। कुलपति ने रिसर्च की तकनीकियों का रिसर्च में प्रयोग व उनके आंकड़ों की विवेचना के महत्व के

बारे में बताया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से नूर सिद्दकी, जेसिका अगन्यु अफगानिस्तान के काबूल प्रांत से दस प्रतिभागी, नांगरहार प्रांत से सात, बालख प्रांत से बाईस, हैरात प्रांत से पंद्रह और कंधार प्रांत से बीस समेत 71 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए।

अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन, डाटा निर्धारण के महत्व के बारे में बताते हुए कुछ मूल सांख्यिकी तकनीकों का कृषि विकास में उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	25.06.2020	12	01-02

हक्कवि में ई-संसाधनों की खोज पर वेबिनार

हरिभूमि न्यूज ||| हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार की नेहरू लाइब्रेरी के साथ रिफ्रेड प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली के सहयोग से ई-लाइब्रेरी से ई-संसाधनों की खोज विषय पर एक द्विवर्षीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह के दिशा-निर्देश से आयोजित किया गया था, जिसमें 300 से अधिक संकाय व छात्र पंजीकृत हुए। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष प्रोफेसर बलवान सिंह ने बताया कि यह वेबिनार संपूर्ण विश्वविद्यालय परिवार के लिए बहुत ही उपयोगी होगा क्योंकि इस वेबिनार में भाग लेने के बाद सम्पूर्ण विश्वविद्यालय परिवार और विद्यार्थी

- वेबिनार में 300 से अधिक संकाय व छात्र हुए पंजीकृत

ई-लाइब्रेरी गेटवे के माध्यम से जागरूक हो सकेंगे। इसके अलावा कोविड-19 महामारी के चलते कृषि विज्ञान के क्षेत्र में लाइब्रेरी द्वारा खरीदे गए संसाधन एवं बड़ी संख्या में अन्य ओपन एक्सेस संसाधन प्रयोग कर सकेंगे। साथ ही उपयोगकर्ता घर बैठकर ही पुस्तकालय के ई-संसाधनों का उपयोग कर सकते हैं।

उन्होंने ई-संसाधन : अतीत, वर्तमान और भविष्य पर ई-संसाधनों की विस्तृत श्रंखला प्रस्तुत की। इसके बाद रेफ्रिड टीम ने विश्वविद्यालय के शैक्षणिक उपयोगकर्ता को रिमोट लॉगिन सुविधा संसाधन का वर्णन किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	24.06.2020	--	--

नीति निर्धारण में रिसर्च डाटा की भूमिका अहमः कुलपति

हिसार/24 जून/रिपोर्टर

देश के विकास व नीति निर्धारण में रिसर्च डाटा की भूमिका अहम् होती है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के पी सिंह ने ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इन्डो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। प्रशिक्षण का आयोजन युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइंजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया गया। इस प्रशिक्षण में अमेरिका, भारत व अफगानिस्तान के वैज्ञानिक ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। कुलपति ने युवा वैज्ञानिकों से आव्हान् किया कि वे रिसर्च में रिसर्च की बेसिक व नवीनतम तकनीकों का अधिक से अधिक प्रयोग करें ताकि रिसर्च की वैधता सुनिश्चित की जा सके, जो किसी भी देश के नीति-निर्धारण में काम आ सके। उन्होंने रिसर्च की तकनीकियों का रिसर्च में प्रयोग व

इन्डो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण

उनके आंकड़ों की विवेचना के महत्व के बारे में भी बताया। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से नूर सिद्दकी, जेसिका अगान्यू, अफगानिस्तान के काबूल प्रांत से दस प्रतिभागी, नांगरहार प्रांत से सात, बालख प्रांत से बाईस, हैरात प्रांत से पंद्रह और कंधार प्रांत से बीस सहित कुल 71 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन, डाटा निर्धारण के महत्व के बारे में बताते हुए कुछ मूल सांख्यिकी तकनीकों का कृषि विकास में उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. अनुज राणा ने कुलपति प्रो. के पी सिंह के साथ सभी प्रतिभागियों का ऑनलाइन

माध्यम से परिचय करवाया। इसके बाद प्रोफेसर ओपी श्योराण और डॉ. विनय कुमार ने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन डाटा एवं सांख्यिकी के उपयोग के बारे में बताया। साथ ही रिसर्च के लिए ले-आउट तैयार करने और रिसर्च की बेसिक टूल व सांख्यिकी का रिसर्च में प्रयोग करने संबंधी विस्तृत रूप से जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को असाइनमेंट देते हुए आवान किया कि वे अपनी रिसर्च में सांख्यिकी साप्टवेयर के माध्यम से रिसर्च की बेसिक तकनीकों का प्रयोग करते हुए आंकड़ों का विश्लेषण करें। इसके बाद जो भी आंकड़े निकलकर आते हैं, उन्हें ऑनलाइन माध्यम से प्रस्तुत करें ताकि उन पर गहनता से विचार-विमर्श कर उनको ओर अधिक बेहतर बनाया जा सके। इस दौरान प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों का प्री-टेस्ट लिया गया और उनके आकलन के बाद उन्हें उसी अनुरूप अध्ययन कराते हुए पोस्ट टेस्ट के लिए असाइनमेंट दिया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	24.06.2020	--	--

देश के विकास व नीति निर्धारण में रिसर्च डाटा निभा सकते हैं अहम भूमिका : कुलपति

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में इंडो-यूएस-अफगानिस्तान ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। देश के विकास व नीति निर्धारण में रिसर्च डाटा की भूमिका अहम होती है। उक्त विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। प्रशिक्षण का आयोजन युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के अधिक सहयोग से कैटलाइजिंग अफगान एंग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत कराया गया।

इस प्रशिक्षण में अमेरिका, भारत व अफगानिस्तान के वैज्ञानिक ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। कुलपति ने युवा वैज्ञानिकों से आवाजन किया कि वे रिसर्च में रिसर्च की वैशिक व नवीनतम तकनीकों का अधिक से अधिक प्रयोग करें ताकि रिसर्च की वैधता सुनिश्चित की जा सके, जो किसी भी देश के नीति-निर्धारण में काम आ सके। उन्होंने रिसर्च की तकनीकियों का रिसर्च में प्रयोग व उनके अंकड़ों की विवेचना के महत्व के बारे में भी बताया। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 71 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए।

अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने प्रशिक्षण की महत्व के बारे में बताते हुए भविष्य में ऐसे आयोजन करने की इच्छा जताई। उन्होंने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन, डाटा निर्धारण के महत्व के बारे में बताते हुए कुछ मूल सांख्यिकी



हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में इंडो-यूएस-अफगानिस्तान ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करते कुलपति प्रो. के.पी. सिंह।

तकनीकों का कृषि विकास में उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रो.ओ.पी. श्योराण और डॉ. विनय कुमार ने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन डाटा एवं सांख्यिकी के उपयोग के बारे में बताया। साथ ही रिसर्च के लिए ले-आउट तैयार करने और रिसर्च की वैशिक दृष्ट व सांख्यिकी का रिसर्च में प्रयोग करने संबंधी विस्तृत रूप से जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को

असाइनमेंट देते हुए आवश्यक किया कि वे अपनी रिसर्च में सांख्यिकी साप्टवेयर के माध्यम से रिसर्च की वैशिक तकनीकों का प्रयोग करते हुए अंकड़ों का विस्तृत प्रयोग करें। इसके बाद जो भी आकड़े निकलकर आते हैं, उन्हें ऑनलाइन माध्यम से प्रस्तुत करें ताकि उन पर गहनता से विचार-विमर्श कर उनको और अधिक बेहतर बनाया जा सके। इस दौरान प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों का प्रो-टेस्ट लिया गया और

उनके ओकलन के बाद उन्हें उसी अनुरूप अध्ययन कराते हुए पोस्ट टेस्ट के लिए असाइनमेंट दिया गया। अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. अनुज राणा ने बताया कि इसके बाद 29 जून को दोबारा इसी प्रशिक्षण की अगली कड़ी में उन प्रतिभागियों के पोस्ट टेस्ट के ओकलन के आधार पर उन्हें रिसर्च की व्यावहारिक तकनीकों को ऑनलाइन माध्यम से बारीकी से समझाया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज़	24.06.2020	--	--

हिसार/अन्य

पांच बजे 3

हक्की में इंडो-यूएस-अफगानिस्तान ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित

रिसर्च में नवीनतम तकनीकों का अधिक से अधिक प्रयोग करें युवा वैज्ञानिक : प्रो. सिंह

पांच बजे न्यूज़

हिसार। देश के विकास व नीति निर्धारण में रिसर्च डाटा की भूमिका अहम होती है। उक्त विचार चौथी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। प्रशिक्षण का आयोजन युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के अधिक सहयोग से कैटलाइंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया गया।

इस प्रशिक्षण में अमेरिका, भारत व अफगानिस्तान के वैज्ञानिक ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। कुलपति ने युवा वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे रिसर्च में रिसर्च की वैसिक व नवीनतम तकनीकों का अधिक से अधिक प्रयोग करें ताकि रिसर्च



की वैधता सुनिश्चित की जा सके, जो किसी भी देश के नीति-निर्धारण में काम आ सके। उन्होंने रिसर्च की तकनीकों का रिसर्च में प्रयोग व उनके आकड़ों की विवेचना के महत्व के बारे में भी विस्तारपूर्वक बताया।

कार्यक्रम में अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से नूर सिद्दकी, जैसका अग्न्यू अफगानिस्तान के काबूल प्रौद्योगिकी व उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय के बाबत प्रति रिसर्च की वैसिक दूल व सांख्यिकी का प्रयोग करने संबंधी विस्तृत रूप से प्रति से बाईस, हैरात प्रति से पद्धत और कंधार जनकारी दी। इसके बाद उन्होंने प्रशिक्षण में

ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए।

अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहारवत ने प्रशिक्षण की महत्ता के बारे में विस्तारपूर्वक बताते हुए भविष्य में ऐसे आयोजन करने की इच्छा जाताई। उन्होंने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन, डाटा निर्धारण के महत्व के बारे में बताते हुए कुछ मूल सांख्यिकी तकनीकों का कृषि विकास में उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। अनुज राणा ने कुलपति प्रो. के.पी. सिंह के साथ सभी प्रतिभागियों का ऑनलाइन माध्यम से परिचय करवाया। इसके बाद प्रोफेसर ओ.पी. रघोराण और डॉ. बिनय कुमार ने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन डाटा एं सांख्यिकी के उपयोग के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। साथ ही रिसर्च के लिए ले-आउट तैयार करने और प्रतिभागियों के पोस्ट टेस्ट के आंकलन के आशा पर उन्हें रिसर्च की व्यवहारिक तकनीकों को ऑनलाइन माध्यम से बारीकी से समझाया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति टाइम्स	24.06.2020	--	--

रिसर्च में नवीनतम तकनीकों का अधिक से अधिक प्रयोग करें युवा वैज्ञानिक : वीसी

**हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय
में इंडो-यूएस-अफगानिस्तान
ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय
प्रशिक्षण आयोजित**

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। देश के विकास व नीति निर्धारण में इंडो-यूएस-अफगानिस्तान ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित है। उक्त विचार चौथी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रोफेसर डॉ. पी. सिंह ने ऑनलाइन माध्यम से आयोजित

इंडो-यूएस-अफगानिस्तान ऑनलाइन प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए ब्यक्त किया। प्रशिक्षण का आयोजन चुनाइटेड स्टेट एवं सो. फॉर इंटरनेशनल केंटरीलाइंग अफगान एपीकल्चर इनोवेशन एवं प्रोजेक्ट के अधिक सहयोग से गया। इस प्रशिक्षण में अमेरिका, भारत व अफगानिस्तान के

वैज्ञानिक ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। कुलपति ने युवा वैज्ञानिकों से उल्लङ्घन किया राणा ने कुलपति प्रो. के.पी. सिंह के साथ सभी कि ये रिसर्च में रिसर्च की वैसिक व नवीनतम तकनीकों का अधिक से अधिक प्रयोग करें करवाया। इसके बाद प्रोफेसर ओ.पी. स्पोराण

ताकि रिसर्च की वैधता सुनिश्चित की जा सके,

और डॉ. किंनदय कुमार ने प्रतिभागियों को

जीवनी की विश्वविद्यालय, हिसार के विस्तारपूर्वक बताया। साथ ही

रिसर्च में प्रयोग व उनके आंकड़ों की विवेचना रिसर्च के लिए ले-आउट तैयार करने और के महत्व के बारे में भी विस्तारपूर्वक बताया। रिसर्च की वैसिक दूल व सांख्यिकी का रिसर्च ऑनलाइन माध्यम से आयोजित हस प्रशिक्षण में प्रयोग करने संबंधी विस्तृत रूप से जानकारी कार्यक्रम में अमेरिका के वैज्ञानियों ट्रैक दी। इसके बाद उन्होंने प्रशिक्षण में शामिल विश्वविद्यालय से नूर सिंहकी, वैसिका आगलू, प्रतिभागियों को असाइनमेंट देते हुए आइन

अपशंस्कान के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। साथ ही विज्ञान कि किया कि ये अपनी रिसर्च में सांख्यिकी सापेटवेयर के माध्यम से रिसर्च की वैसिक लक्नीकों का प्रयोग करते हुए आंकड़ों का विस्तृतेवाला करें। इसके बाद जो भी आंकड़े निकलकर जाते हैं, उन्हें ऑनलाइन माध्यम से

प्रस्तुत करें ताकि उन पर गहनता से विचार-

विश्लेषण कर उनको और अधिक बेहतर बनाया जा सके।

इस दौरान प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों का प्रो-टेस्ट लिया गया और उनके अंकलग के बाद उन्हें उसी अनुरूप अध्ययन कराते हुए प्रो-टेस्ट टेस्ट के लिए असाइनमेंट दिया गया। अंतर्राष्ट्रीय मासलैंड के संवोदक डॉ. अनुज राणा

ने बताया कि इसके बाद 29 जून को दोबारा इसी प्रशिक्षण की अगली कड़ी में उन प्रतिभागियों के प्रोटेस्ट टेस्ट के लिए अकलन के आधार पर उन्हें रिसर्च की ज्ञानशारिक अवधारणा दी जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय मासलैंड के संवोदक डॉ. अनुज

राणा ने कुलपति प्रो. के.पी. सिंह के साथ सभी

कि ये रिसर्च में रिसर्च की वैसिक व नवीनतम

तकनीकों का अधिक से अधिक प्रयोग करें

करवाया। इसके बाद प्रोफेसर ओ.पी. स्पोराण

ताकि रिसर्च की वैधता सुनिश्चित की जा सके,

और डॉ. किंनदय कुमार ने प्रतिभागियों को

जीवनी की विश्वविद्यालय, हिसार के उपयोग

समझाया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (यूनिक हरियाणा)	24.06.2020	---	---

रिसर्च में नवीनतम तकनीकों का अधिक से अधिक प्रयोग करें युवा वैज्ञानिक : प्रोफेसर के.पी.सिंह

June 24, 2020 • Rekesh • Haryana News

हिसार: 24 जून

देश के विकास व नीति नियांरण में रिसर्च आटा की भूमिका अहम होती है। उक्त विषाद चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कृषकति बोर्डकर के पी. सिंह ने ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इन्हों-एक-अफार्मालिकतात अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण में सामिल प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा। प्रशिक्षण का आयोजन युनाइटेड स्टेट्सी कार्पैंट इंटरनेशनल इंडस्पर्ट के आयोजक सहयोग से कैटलाइविंग ऑफिस एवं कृषक फैसले के बोर्ड करवाया गया। इस प्रशिक्षण में अग्रिमत, भारत व अफगानिस्तान के वैज्ञानिक ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। कुमारपाल ने युवा वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे रिसर्च में रिसर्च की वैज्ञानिक व नवीनतम तकनीकों का अधिक से अधिक प्रयोग करें ताकि रिसर्च की दैनिक जीवन की जांकड़ी की विवेचना के महत्व के बारे में भी विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने रिसर्च की नवीनतीकरणों का रिसर्च में प्रयोग व उनके आंकड़ों की विवेचना के महत्व के बारे में भी विस्तारपूर्वक बताया। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अग्रिमत के वैज्ञानिकों द्वारा विश्वविद्यालय से नुस्खाएँ, जैसिका अग्रान्त, अफगानिस्तान के कानून प्रांत से दूसरे प्रतिभागी, नांगरहार प्रांत से सात, बाजार प्रांत से बाईस, हैरात जांत से पंद्रह और कंबाल प्रांत से बीस सहित कुल 71 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से



सामिल हुए।

अनुदानान्वित नियोजक डॉ. एस.के. सहरावाल ने प्रशिक्षण की महसूल के बारे में विस्तारपूर्वक बताते हुए अधिक्षम में ऐसे आयोजन करने की इच्छा जताई। उन्होंने प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन, आटा नियांरण के महत्व के बारे में बताते हुए कुछ मूल सांकेतिकी तकनीकों का कृषि विकास में उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। अंतर्राष्ट्रीय मानमानी के संयोजक डॉ. अनुज राणा ने कुशलति पी. के.पी. सिंह के साथ सभी प्रतिभागियों का ऑनलाइन माध्यम से परिचय करवाया। इसके बाद प्रोफेसर डॉ. पी. स्ट्राइट और डॉ. विनय कुमार से प्रतिभागियों को रिसर्च डिजाइन आटा एवं सांकेतिकी के उपयोग के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। साथ ही रिसर्च के लिए से-आउट टीचर करने और रिसर्च की वैज्ञानिक दृष्टि व सांकेतिकी का रिसर्च में प्रयोग करने संबंधी विस्तृत जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने प्रशिक्षण में सामिल प्रतिभागियों को असाइनमेंट देते हुए आह्वान किया कि वे अपनी रिसर्च में सांकेतिकी साप्तरीयर के माध्यम से रिसर्च की वैज्ञानिक तकनीकों का प्रयोग करते हुए आंकड़ों का विश्लेषण करें। इसके बाद जो भी आंकड़े निकलकर आते हैं, उन्हें ऑनलाइन माध्यम से प्रस्तुत करें ताकि उन पर गहनता से विचार-विनार्ह कर उनको और अग्रिम बेहतर बताया जा सके। इस दौरान प्रशिक्षण में सामिल प्रतिभागियों का पी-टेस्ट लिया गया और उनके आंकड़न के बाद उन्हें उसी अनुकूल अध्ययन कराते हुए पोस्ट टेस्ट के लिए असाइनमेंट दिया गया। अंतर्राष्ट्रीय मानमानी के संयोजक डॉ. अनुज राणा ने बताया कि इसके बाद 28 जून को दूसरा इती प्रशिक्षण की अवधी कहीं में उन प्रतिभागियों के पोस्ट टेस्ट के ऑफिस के आगामी पर उन्हें रिसर्च की व्यापकारिक तकनीकों को ऑनलाइन माध्यम से बारीकी से समझाया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (यूनिक हरियाणा)	24.06.2020	---	---

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में ई-लाइब्रेरी से ई-संसाधनों की खोजे विषय पर एक दिवसीय बैठिनार आयोजित

June 24, 2020 - Raibat - Near Local News

दिनांक : 24 जून

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार की नेहरू भवन-ए-री के जाय रिफरेंस ब्लॉक लिमिटेड नई दिल्ली के नामांगन ने ई-संसाधनों की खोज विषय पर एक बैठिनार का आयोजन किया गया। बैठिनार का आयोजन विश्वविद्यालय के पुस्तकालय औफिसर के पी.पी.सिंह के द्वारा लिर्फ़ेट से आयोजित किया गया था, जिसमें 300 से अधिक संकाय ने भाग लेंगे।



विश्वविद्यालय के पुस्तकालयनाथ-नाथ औफिसर संकाय निर्झु ने कहाना कि वह बैठिनार संपूर्ण विश्वविद्यालय चरितारपि विषय के बाहु ती उपचारी होना कर्त्तव्य के लिए बैठिनार में सामग्री के बाद संपूर्ण विश्वविद्यालय चरितारपि और नियमार्थी ई-साहकरी बोर्डों के नामांगन से आयोजक हो जाएंगे। इसके आलाए कोरोना-19 महामारी के बालों कृपि विज्ञान के द्वारा मौजूद विद्यार्थी द्वारा लाई गयी संकाय सभी बड़ी संकाय में उपचार औपर वर्णित संकाय इसके बाद संकरों। जाय ही उपचारीकारी घर बैठकर ही पुस्तकालय के ई-संसाधनों का उपयोग बढ़ा देंगे। इस दैनिक उन्होंने ई-संकाय : अधिकारी, वर्तमान और भवितव्य पर उपचारी प्रस्तुति के नामांगन में ई-संसाधनों की विस्तृत विवाह प्रस्तुत की। इसके बाद दैनिक दैनिक ने विश्वविद्यालय के सैक्षणिक उपचारीकारी को दिनांक संकाय उन्होंने ज्ञानका के जाय दैनिक प्रोटोकॉल का उपयोग और बड़ी संकाय में संकाय का विद्यार्थीक तरीका किया।

ओफिसर कामांगन निर्झु ने कहाना कि बैठिनार के दैनिक प्रतिक्रियाओं द्वारा इसके बंबलित नई दृष्टि नया और बैठिनार के दैनिक ही प्रस्तुतकार्यों द्वारा उनके आलाए दिए गए। इस बैठिनार की आयोजक संकित ती. नीमा पात्रार ने दूरे कामीकाम की संकायों की ओर तों दार्ढे कुमार नाहरपाल नाहरपाल द्वारा दिए गए प्रस्तुत